CHAPTER – 9

COMPOSITIONS OF GURUS

A TREASURE OF JAIPUR GHARANA

Jaipur Gharana is like a ocean having numerous varieties of compositions by various Gurus and hence rightly said, "जितने गुरु उतनी बाबते"। Every guru and artiste has unique and peculiar style of composing the bandishes. Every composition has a wide variation of different and complicated rhythmic patterns. The bols or the syllables of different patterns like Pakhawaj, Tabla, Natwari Bol that are interwoven into the technical aspects like Paran, Lamchad Paran, Paramelu, Amad, composed in different Jatis and Yatis that are the hallmark of this Gharana. The bandishes are also composed in various unusual, complicated and rarely performed taals like Dhamar, Savari, Rudra, Jhaptaal, Rupak and many more. The dancers of Jaipur Gharana have that strength and caliber to perform on these compositions with taiyari and at ease.

Apart from nritta portion, the Gurus were equally sensible of composing the lyrical aspect of Kathak i.e. Kavitt anga, Thumri, Pada, Bhajan. The compositions of this various Gurus like Pandit Narayan Prasad, Pandit Sundar Prasad, Pandit Chiranjilal, Pandit Gauri Shankar, Pandit Sundarlal Gangani, Pandit Kundanlal Gangani are preserved as a treasure in the truest and original form that are still performed by many Kathak dancers and also taught at different levels in Universities, Colleges, Institutions and Kendras.

(1) PANDIT SUNDERLAL GANGANI

(१) परन – ताल – तिनताल, मात्रा – १६, विलंबित लय

x धाऽ घेघे	तिट धाड	क्डधातिट	धाधातिट
२ धाक्डधा	तिट धागे	दिगनागे	तिटकता गदिगन
० धाडक्डधातिट	धात्रकधिकिट	धागेदिगनागे	तिटकताऽन
३ तिटकताऽन	तिटकताऽन	तिटकतागदिगन	धानधान
x धा तकिधा	तकिटधा तकिट	धा तिगधादिगदिग थै तिगधादिगदिग	थै तिधादिग दिग
२ थैतकिटधा	तकिटधा तकिट	धा तिगधादिगदिग थै तिग	थै तिधादिग दिग
० थैतकिटधा	तकिटधा तकिट	धा तिगधादिगदिग थै तिग	थै तगधादिगदिग
३ थैऽऽत	ऽतथैऽ	तऽतथै	ऽतऽत
x ता			

1) Pandit Dr. Jagdish Gangani

(२) परन – ताल – तिनताल, मात्रा – १६, विलंबित लय

x धिधिरकिटतक	धाऽधिट	धातिट धा	तिटधाऽ
२ ऽऽऽऽ	धा ऽऽऽ	ऽऽऽधा	धात्रक धा
० धिंधाकत्त	ऽ धाधिंधा	कत्त धा	धिधांकत्त
३ धागेतिटगदिगन	नागेतिट कता कता	तकिट धिकिटधागे	दिगनागे तिकटता
x धा तकिट धा	तकिट धा तकिट	धा ऽऽ	धागेतिटगदिगन
२ नागेतिटकताकता	तकिट धिकिट द्यागे	दिगनागे तिकटता	धातकिट धा
० तकिटधा तकिट	धा ऽऽऽ	धागेतिटगदिगन	नागेतिटकताकता
३ तकिटधिकिट द्यागे	दिगनागे तिकटता	धातकिट धा	तकिटधा तकिट
x धा			

2) Pandit Dr. Jagdish Gangani

(३) परन – ताल – तिनताल, मात्रा – १६, विलंबित लय

x धाऽतिट २ तिऽटधि	धाधाति ऽ किट धाधिं	टक्कऽधेति ता धाधिंता	ऽटधेत्ता किट धाधिंता
० त्रकधाधिंता	तकिट धिकिट	धागेदिगनागे	तिटकताऽन
३ तिटकताऽन	धातिट धातिट	धाधातिट क्डधे	तिटधेत्ता तिट
x किटधाद्यिधंता त्रकधा	धिंता ऽऽ	ऽऽ धा ऽ	तकिट धिकिट धागे
२ दिगनागे तिकटता	कत्रकताकिटताके	त्रकधिकिटधा	नधा तकिट धा
०तकिट धा तकिट	धाऽऽऽ	धा तकिट धा	तकिटधा तकिट
३ धा ऽऽऽ	धा तिकट धा	तकिट धा तकिट	धा ऽऽऽ
x धा			

3) Pandit Dr. Jagdish Gangani

(४) परन – ताल – तिनताल, मात्रा – १६, विलंबित लय

x धाऽत्रक	धिंऽताऽ	त्रकधिंऽ	धाऽताऽ
२ त्रकधिंऽ	धाऽताऽ	कत्तधिंता	किडनग ता तिर
० किट तक तिरकिट	तक तिरकिटतक	धाति धागे	न धाति धा
३ गेनधाऽ	कत्ताधिंता	ऽक धातिधा	गेन धाऽ
x घातिधागे	नधाधाऽ	तिधागेन	धाऽकत्ता
२ धिंताक घा	ति धागेन	धा धातिधा	गेनधाऽ
० ऽधाति धा	गेन धाऽ	कत्ताधिंता	क धाति धा
३ गेनधाऽ	धाति धागे	नधा धाऽ	ति धागेन
x धा			

4) Pandit Dr. Jagdish Gangani

(५) आमद – ताल – तिनताल, मात्रा – १६, विलंबित लय

x थईतऽ	तऽथऽ	ईतऽत	ततथई
२ ऽतिगधा	थैतत्ऽ	थैतत्तत्	तत्तऽ
० ताऽथईतत्	थैततथै	आऽथईतत	थैऽतऽत
३ थैतत् तथै	तत्तथै तत्त	थैतत्तथै	तत्तथै तत्त
x थैतत्तथै	तत्तथै तत्त	थैऽताऽ	ऽतऽत
२ थैऽऽत	ऽतथैऽ	तऽतथै	ऽतऽत
० थैऽऽत	ऽतथैऽ	तऽतथै	ऽतऽत
३ थैऽऽत	ऽतथै ऽ	तऽतथै	ऽतऽत
x ता			

5) Pandit Dr. Jagdish Gangani

(६) तोडा – ताल – तिनताल, मात्रा – १६, विलंबित लय

x ततथै तत	थैऽतत	थैऽऽऽ	ऽऽतत
२ थैऽऽऽ	ऽऽऽता	तिगधादिगादिग	थैतिगधादिगदिगथै
० ऽ२ऽ	३ऽतत	ताथैऽता	थैतत्तत
३ थैऽऽऽ	ऽऽतत्	ताथैऽता	थैतत्त
x ततथैऽ	ततथै ततथै	तत ताथैथैतत्	अेथैथैतत् तत
२ थै थैताऽ	ऽतडत	थैऽताऽ	तत्ताथैथैतत
० अेथैथैतत् तत	थै थैताऽ	ऽतऽत	थै ऽताऽ
३ तत ताथैथैतत्	अेथैथैतत् तत्	थैथैताऽ	ऽतऽत
x ता			

6) Pandit Dr. Jagdish Gangani

(७) चक्रधार फरमाईशी : ताल – तिनताल, मध्यलय, मात्रा - १६

×थेईऽता	थेईऽता	ताऽथुन	ताऽथुन
३ताऽथुन थे	ईऽताऽ	ताथेई	यतथेई
०ताथेई	ततथेई	यत थुन	तकऽऽ
३तकथुन	तकऽऽ	नादिगदिग	थोदिगदिग
×थैऽऽऽ	तकथुन	तकऽऽ	नादिगदिग
३थोदिगदिग	थैऽऽऽ	तकथुन	तकऽऽ
०नादिगदिग	थोदिगदिग	थैऽऽऽ	थेईऽता
३थेईऽता	ताऽथुन	ताऽथुन	ताऽथुनथे
४ईऽताऽ	ताथेई	यतथेई	ताथेईय
३त ताथेई	यतथुन	तकऽऽ	तकथुन
०तकऽऽ	नादिगदिग	थोदिगदिग	थैऽऽऽ
३तकथुन	तकऽऽ	नादिगदिग	थोदिगदिग
×थैऽऽऽ	तकथुन	तकऽऽ	नादिगदिग
३थोदिगदिग	थैऽऽऽ	थेईऽता	थेईऽता
०ताऽथुन	ताऽथुन	ताऽथुनथे	ईऽताऽ
३ताथेई	यतथेई	ताथेईय	त ताथेई
×यतथुन	तकऽऽ	तकथुन	तकऽऽ
३नादिगदिग	थोदिगदिग	थोदिगदिग	थैऽऽऽ
०तकऽऽ	नादिगदिग	थोदिगदिग	थैऽऽऽ
३तकथुन	तकऽऽ	नादिगदिग	थोदिगदिग
×ता			

7) Pandit Dr. Jagdish Gangani

(८) परन - मिश्रजाती टुकडा, ४० मात्रा, मध्यलय

×ताऽत	थुनतक	तकत	थुनतक
३तकत	थुनतक	थैऽता	थैऽऽऽ
०तकत	तकतक	थुनक	थुनतक
३ताथैऽ	दिगदिगदिगदिग	थोऽदिगदिग	थुनतक
×थैऽऽ	ताथैऽ	दिगदिगदिगदिग	थोऽदिगदिग
३दिगदिगदिगदिग	थैऽऽ	ताथैऽ	दिगदिगदिगदिग
०थोऽदिगदिग	दिगदिगदिगदिग	थैऽऽ	ताऽत
३थुनतक	थैतकत	थुनतक	तकत
×थुनतक	थैऽता	थैऽऽऽ	तकत
३तकतक	थुनक	थुनतक	ताथैऽ
०दिगदिगदिगदिग	थोऽदिगदिग	दिगदिगदिगदिग	थैऽऽ
३ताथैऽ	दिगदिगदिगदिग	थोऽदिगदिग	दिगदिगदिगदिग
×थैऽऽ	ताथैऽ	दिगदिगदिगदिग	थोऽदिगदिग
३दिगदिगदिगदिग	थैऽऽ	ताऽत	थुनतक
०तकत	थुनतक	तकत	थुनतक
३थैऽता	थैऽऽऽ	तकत	तकतक
×थुनत	थुनतक	ताथैऽ	दिगदिगदिगदिग
३थोऽदिगदिग	दिगदिगदिगदिग	थैऽऽ	ताथैऽ
०दिगदिगदिगदिग	थोऽदिगदिग	दिगदिगदिगदिग	थैऽऽ
३ताथैऽ	दिगदिगदिगदिग	थोऽदिगदिग	दिगदिगदिगदिग
×थै			

8) Pandit Dr. Jagdish Gangani

(९) बेदम चक्रदार - त्रिताल, द्रुतलय, तिश्रजाती, ४० मात्रा

०धाऽनधाऽन	तकिटधिकिट	तकिटधिकिट	दिगननाऽन
३नगनगनग	तकिटधिकिट	तकिटधिकट	धाऽऽकऽत
५धाऽऽतकिट	धिकिटधाऽऽ	कऽतधाऽऽ	तकिटधिकिट
२धाऽऽकऽत	धाऽनधाऽन	धाऽनतकिट	धिकिटतकिट
०धिकिटदिगन	नाऽनगन	गनगतकिट	धिकिट तकिट
३धिकिटधाऽऽ	कऽतधाऽऽ	तकिटधिकिट	धाऽऽकऽत
५धाऽऽतकिट	धिकिटधाऽऽ	कऽतधाऽऽ	धाऽनधाऽन
२तकिटधिकिट	तकिटधिकिट	दिगननाऽन	नगनगनग
०तकिटधिकिट	तकिटधिकिट	धाऽऽकऽत	धाऽऽतकिट
३धिकिटधाऽऽ	कऽतधाऽऽ	तकिटधिकिट	धाऽऽकऽत

५धा

9) Pandit Dr. Jagdish Gangani

(१०) गोवर्धन लीला : कवित्त, ताल – तिनताल, द्रुतलय

घनघन घोरघटा घन छाई,
ग्वालबाल सब सुदबिसराई,
इंद्रदेवने रचना रचाई, बादल मुसला धार बरसाई,
तडतड बिजली धडाधड धमकी,
धाऽ धडा धड धाऽधडाधड धाऽ धडाधड धाऽऽऽ,
गोकुल में व्याकुलता छाई, कृष्णचंद्रने लाज बचाई,
गोवरधन को नखसे उठायो, गोपगोपी की जान बचाई,
मूरली धरकी जयधुन छाई,
उमंग भरी जन जन के मन मे, कृष्ण बसे सुंदर के मन में,
गिरवर धारी, गिरवर धारीं, गिरवर धारी, गिरवर धारी.

×घनघन	घोऽरघ	टाऽघन	छाऽईऽ
२ग्वालबा	ऽलसब	सुदबिस	राऽईऽ
०ईऽद्रदें	ऽवंनेऽ	रचनार	चाऽईऽ
३बाऽदल	मुसलाऽ	धाऽरब	रसाऽई
×तडतड	बीजलीध	डाऽधड	धमकीऽ
२धाऽऽध	डाऽधड	धाऽऽध	डाऽधड
०धाऽऽध	डाऽधड	धाऽऽऽ	ऽऽऽऽ
३गोऽकुल	मेऽव्याऽ	कुलताऽ	छाऽईऽ
×कृष्णचं	ऽद्रनेऽ	लाऽजब	चाऽईऽ
२गोऽवर	धनकोऽ	नखसे	ठाडयोड
०गोऽपगो	ऽपीकीऽ	जाऽनब	चाऽईऽ
३मूरलीऽ	धरकीऽ	जयधुन	छाऽईऽ
×उमंगभ	रींऽजन	जनकेऽ	मनमेऽ
२कृष्णब	सेऽसुंऽ	दरकेऽ	मनमेंऽ

०गिरवर	धाऽरीऽ	गिरवर	धाऽरीऽ
३गिरवर	धाऽरींऽ	गिरवर.	धाऽरींऽ

×ता

(११) कविता : गोपीयो की फरीयाद, ताल – तिनताल, द्रुतलय

कहाकहुँ कछू सुनत नाही, समजाओ जशोदा कन्हैया की मैया,
नितनित करत हैं झगरो हमसे,
रोकत गेल हमारो कन्हैयो,
ठाड रहे है ग्वाल बाल, दधि बेचन को ना जान देत,
ठाड रहे है ग्वालन सारी, मग में करी झकाझोरी कन्हैयो,
माखन की मटकी फोर डारी,
कंगन चुरियाँ तोर डारी, बिंदियाँ मोरी खोर डारी,
चुनर मेरो फार डारयो, बाजु बंध मेरो खसक डारयो,
कमर कनकती तोर डारी, भर भर के पिचकारी मारी,
अंगिया मोरी रंग डारी,
हसन लगे दे तारी तारी,
हारी में तो हारी हारी,
सुंदर ने यह छवि निरखी,
गिरधर कि छबि लागे प्यारी,
कहाँकहु कछु सुनत नाहि समजाओ जशोदा,
कन्हैया की मैया

कहांऽक	हुंऽकछु	सुनतना	हीऽसम
जाऽओज	शोऽदाक	न्हैयाकि	मैऽयाऽ
नितनित	करतहे	झगरोऽ	हमसेऽ

रोऽकत	गेऽलह	माऽरोक	न्हैऽयोऽ
ठाऽऽर	हींऽहैंऽ	ग्वा़ऽलबा	ऽलदधि
बेऽचन	कोऽनाऽ	जाऽनऽ	देऽतऽ
ठाऽऽर	हीऽहैऽ	ग्वाल न	साऽरींऽ
मगमक	रतझका	जोऽरीक	न्हैऽयोऽ
माऽखन	किऽमट	किऽफोर	डाऽरींऽ
कंऽगन	चुरियाँऽ	तोऽऽर	डाऽरींऽ
बिंदीयाँऽ	मोऽरीऽ	खोऽऽर	डाऽरींऽ
चूऽनर	मेऽरींऽ	फ़ाऽऽर	डाऽरयोऽ
बाऽजुऽ	बंधमेरो	खसऽक	डाऽरयोऽ
कमर क	नकतींऽ	तोऽकर	डाऽरींऽ
भरभर	केऽपीच	काऽरींऽ	माऽरींऽ
अंगियाऽ	मोऽरीऽ	रंऽऽग	डाऽरींऽ
हसन ला	गेऽदेऽ	ताऽरींऽ	ताऽरींऽ
हाऽरीऽ	मैंऽतोऽ	हाऽरीऽ	हाऽरीऽ
सुंडदर	नेडयह	छडबिड	निरखीड
गिरधर	किऽछबि	लाऽगेऽ	प्यारीऽ
कहाँऽक	हुऽकछु	सुनतना	हीऽसम
जाऽओज	शोऽदाक	न्हैयाकि	मैऽयाऽ
ताऽऽऽ	ऽऽसम	जाऽओज	शोऽदाक
न्हैयाकी	मैंऽयाऽ	ताऽऽऽ	ऽऽसम
जाऽओज	शाऽदाक	न्हैयाकि	मैऽयाऽ

ृता

10) Pandit Dr. Jagdish Gangani

11) Pandit Dr. Jagdish Gangani

(१२) कविता तोडा : त्रिताल, द्रुतलय

ओरी कन्हैया, ओरी कन्हैया,
कहाँ कहत हैं ग्वालन सारी, पल पल मे तु करे झकाजोरी,
बरजोरी में बरजोरी, तुं ढीट कन्हैयो, ढीट कन्हैयो,
ना माने ना सुने हमारी, हैं फरियाद तुम्हारी सारी,
मन मे छाई दासी मोरी, काल जो धर से तुम निकस्यो तब
हाथ जराकर मार खिलाऊँ, बंद कराऊँ, तंग कराऊँ,
उलटे पाँव लटकाऊँगी, देखेगी सब ब्रज की नारी,
करेगी सब हसी तुम्हारी,
ना कर ना झकाजोरी जोरी, माखन कि ना कर नां चोरी,
अच्छो मारो क्हान ग्वाल, प्यारो मीठो नंद लाल,
बंसी को बजैयो लाल, सुंदर के मन नंद लाल,
लेत बलिहारीलाल,
झुकत झुकत झुक, झुम झुम झुम,
तिगदा दिगदिग दिग थोय दिगदिग,
थैय्यत यतथैय्य त्यतथै यत्यत,
थैय्य बली हाय्यहाय्य री -३

ₓओयरीक	न्हैययाय	ओयरीक	न्हैययाय
₂कहाँयक	हतहेय	ग्वायलन	सायरीय
₀पलपल	मेयतुय	करेझका	जोयरीय
₃बरजोय	रीयमेय	बरजोय	रीयतुय
ₓढीटयक	न्हैयोय	ढीटयक	न्हैयोय
₂नायमाय	नेयनाय	सुनेयह	मायरीय
₀हैयफरि	यायदतु	म्हारीय	सायरीय

३मनमेय	छायईउ	दायसीय	तोयरीय
×कायलजो	घरसेय	तुयनिक	स्योयतोय
२हायथज	रायकर	मायरखि	लायउय
०बंऽदऽक	राऽऽस्र	तंऽगक	राऽस्रऽ
३उलटेऽ	पांवलट	काऽस्रऽ	गीऽऽऽ
×देऽखेऽ	गीऽसब	ब्रजकिऽ	नाऽरीऽ
२करेगीऽ	सबऽऽ	हसीऽतु	म्हाऽरीऽ
०नाऽकर	नाऽझका	जोऽरीऽ	जोऽरीऽ
३माऽखन	किऽनाऽ	करनाऽ	चोऽरीऽ
×अच्छोऽ	माऽरोऽ	क्हानऽ	ग्वालऽ
२प्याऽरोऽ	मीऽठोऽ	नंऽऽद	लालऽऽ
०बंऽसिऽ	कोऽबऽ	जै ऽयोऽ	लालऽऽ
३सुंऽदर	केऽमन	नंऽऽद	लालऽऽ
xलेऽऽऽ	तऽबलि	हाऽरी ऽ	लालऽऽ
२झुऽकऽ	तऽझुऽ	कऽतऽ	झुऽकऽ
०झुऽऽऽ	मऽझुऽ	ऽऽमऽ	झुऽमऽ
३तिगधाऽ	दिगदिग	दिगथोऽ	दिगदिग
xथैऽऽत	ऽतथैऽ	तऽतथै	ऽतऽत
२थैऽऽऽ	बऽलीऽ	हाऽऽऽ	हाऽऽऽ
०रीऽऽऽ	बऽली ऽ	हाऽऽऽ	हाऽऽऽ
३रीऽऽऽ	बऽली ऽ	हाऽऽऽ	हाऽऽऽ
xता			

12) Pandit Dr. Jagdish Gangani

१३) गणेश परन – नृत्य स्तोत्र :

नमो नमो श्री गणपति गणेश, प्रथम पूज सुर लोक महेश ,

नमो नमो श्री गणपति गणेश

जय गणताथ सुत विश्वनाथ, सुमिरत कटत बिकट दु:ख पाप,

पूजत पंडित वेद मंत्र जप, धरत ध्यान उर सिध्धनाथ,

नमो नमो श्री गणपति गणेश

शीश मुकुट कानन मणि कुंडल, घोर वरण राजे अति सुंदर,

ज़ग जननी जय गिरिजानंदन, जय लम्बोदर जग दु:ख भंजन,

ज़य गुण सागर जगत उजागर, बुध्धि विनायक जग फकदायक,

ध्यावत गंधर्व किन्नर मुनिजन, रिध्धि सिध्धि शुभ काज जगत जन,

नमो नमो श्री गणपति गणेश

जय गणनाथ ज्ञान अपार, सुंदर गुण जग गावत गान,

ज्ञान शिरोमणि लियो वरदान, गिरजाशंकर दियो मन भाव,

सुंदर कर जोरी उर धरत ध्यान, बुध्धि विनायक गज सुंऽधार,

वारी वारी ज्ञाने जग नाथ, सेवत सुलभ करत शुभ काज,

नमो नमो श्री गणपति गणेश

सुंदर कर जोरी उर धरत ध्यान, नाचत लय गति गत अंग भाव,

कसक मसक पुरसत उर भाव, धुरन मुरन सज लियो कर भाव,

निकस्यो पद गज गामिनि चाल, लचकी थिरकी निकसी कटि चाल,

थिरकी कलाईं गत मोरा चाल, डोली ग्रीवा गत हंसा चाल,

नमो नमो श्री गणपति गणेश

×नमोऽन मोऽश्रीऽ गणपति गणेऽश
२प्रथमपु ऽजसुर लोऽकम हेऽऽश
०धाऽधाऽ ऽबाजत मृंदगधि किटथुन
३गाऽवत सुरनार गाऽनमं गलधुन
×जय गण नाऽथऽ सुतविऽ श्वनाथ
२सुमिरत कटतवि कटदुःख पाऽऽप
०पुऽजत पंडितऽ वेऽदमं ऽत्रजप
३धरतध्या ऽनऊर जयसिऽ ध्धिनाऽथ
×शिऽशमु कुटकाऽ ननमणि कुंऽऽल
२गोऽरव रागराऽ जेऽअति सुंऽदर
०जयजन निऽजय गिरिजाऽ नंऽदन
३जयलंऽ बोऽदर जगदुःख भंऽजन
×जयगणु साऽगर जगतउ जाऽगर
२बुऽध्धिवि नाऽयक जगफल दाऽयक
०ध्याऽवत गंऽध्रव किंऽनर मुनिजन
३रिऽध्धिसि ऽध्धिशुभ काऽजज गतजन
×जुयगण नऽथऽ ज्ञाऽनअ पाऽरऽ
२सुंऽदर गुणजग गाऽवत गाऽऽन
०ज्ञाऽनशि रोऽमणि दियोवर दाऽऽन
३गिरिजाऽ शंऽकर दियोमन भाऽऽय
×सुंऽदर करजोरी उरधर तध्याऽन
२बुऽध्धिवि नाऽयक गजसुंढ धाऽऽर
०वाऽरीवा रऽज्ञाऽ नीऽजग नाऽऽथ
३सेऽवत सुलभक रतशुब क़ाऽऽज
×सुंऽदर करजोरी उरधर तध्याऽन
२नाऽचत लयगति गतअंग भाऽऽव
०कसकम सकपुर सतउर भाऽऽव
३धुरनमु रनसज लियोकर भाऽऽव
×निकस्योऽ पदगज गाऽमनि चाऽऽल
२लचकिथि रकीनिक सिऽकटि चाऽऽल

०थरकिक	लाईगत	मोऽराऽ	चाऽऽल
३डोऽलीग्रि	वाऽगत	हंऽसाऽ	चाऽऽल
×मुखवीला	ऽसनैऽ	नाऽरसा	ऽलभ्रकु
२टिऽकमा	ऽनकत	धाऽनधा	ऽनधाऽ
०ठाऽऽदु	ऽनचौऽ	गुनपल	टाऽऊज
३कींऽऽऽ	ऽझिज	क़ीऽऽऽ	ऽऽधम
×कीऽऽऽ	ऽऽदम	कीऽऽऽ	ऽऽफिर
२कीऽऽऽ	ऽऽतत	थैईतत	थैईतत
०लेऽतकु	ऽदीतक	धलांऽग	छलांऽग
३छननन	बाऽजेऽ	नुऽपुर	ताऽऽल
×धींऽनाधी	ऽनधीर	किटतक	धींऽताऽ
२तगनग	धेऽत्ताऽ	तगिंऽन	धेऽत्ताऽ
०ऽऽताऽ	धेऽताऽ	कतधाऽ	ऽधाऽन
३धाऽऽधा	ऽनधाऽ	ऽनधाऽ	धागेतिट
×कताऽन	धाऽऽऽ	तकधुमकिटतक	धाधाकिटतक
२धिनाऽत	धाऽकिटतक	ताऽकिटतक	दिंऽकिटतक
०तकधुमकिटतक	धाधाकिटतक	धाऽऽधा	ऽनधाऽ
३ऽधाऽन	धाऽतिटकता	गदिगनधाऽति	कतागदिगनधाऽ
×तिटकतागदिगन	धाऽतकधुम	किटतकधाधा	किटतकधाऽ
२ऽधाऽन	धाऽऽदा	ऽनधाऽ	तिटकतागदिगन
०धाऽतिटकतागदि	गनदाऽतिटकता	गदिगनधाऽ	तकधुमकिटतक
३धाधाकिटतक	धाऽऽधा	ऽनधाऽ	ऽधाऽन
×धाऽतिटकता	गदिगनधाऽतिट	कतागदिगनधाऽ	तिटकतागदिगन
२धाऽतिटकता	गदिगनधाऽतिट	कतागदिगनधाऽ	तिटकतागदिगन
०धाऽतिटकता	गदिगनधाऽतिट	कतागदिगनधाऽ	तिटकतागदिगन
३धाऽतिटकता	गदिगनधाऽतिट	कतागदिगनधाऽ	तिटकतागदिगन
×तिटकतागदिगन	धाऽतिटधाऽतिट	कतागदिगनातिट	कतागदिगनदाऽ
२तिऽधाऽतिटकता	गदिगनतिटकता	गदिगनतिटकता	गदिगनधाऽतिट
०धाऽतिटधाऽतिट	धाऽकत्धाऽतिट	धाऽऽऽऽऽऽऽ	तिटकतागदिगन
३धाऽतिटधाऽतिट	कतागदिगनतिट	कतागदिगनधाऽ	तिटधाऽतिटकता

×गदिगनतिटकता	गदिगनतिटकता	गदिगनाधाऽतिट	धाऽकत्धाऽतिट
३धाऽकत्धाऽतिट	धाऽऽऽऽऽऽऽ	तिटकतागदिगन	धाऽतिटधाऽतिट
०कतागदिगनतिट	कतागदिगनधाऽ	तिटधाऽतिटकता	गदिगनतिटकता
३गदिगनतिटकता	गदिगनधाऽतिट	धाऽकत्धाऽतिट	धाऽकत्धाऽति
xधा			

(१४) पनिहारी कविता : १६वी मात्रा से उठान, १३२ मात्रा

अेरी गुईयाँ गागर निर भरन गई जमुना,

मन मोहन तहाँ बंसिया बजाई,

नाचन लागी बसंत ऋतु ताऽ, झाँकी झाँकी झम की ताऽ,

झुम झुम झुम झन नन झमकी, चमकी दम की ताऽ फिरकी,

तोर मोर त्रिभंग अंग ताऽ, आव जाव ताऽ थिरक फिरक ताऽ

थाँट बाँट ताऽ परन तिहाईयाँ,

धुरन मुरन गत निकासत नाची,

चंचल चपल चपला सी निकसीऽ,

निकस्यो नौ रस ताल मृंदग धुन,

धाकिटतक धुमकिटतक धा ताधा गदिगन,

सुंदर छबि निरखी अति प्यारी,

कृपा भयी तोरी किष्ण मुरारी,

वारी जाऊ मैं वारी जाऊ,

भर गागर तब शिश धरी झटकी मटकी लटकी,

मेरो पग लपटाय गयो, झटपट झट में धसकी,

तब गिर परी धम धमकी,

भिग गई मोरी चुनर कचुकी,

बुंद लगी मोहे अवनी रजकी,

धाय उठाय लीही मन मोहन,

पकरी कलाँई मोहे ठार करी,

निरखी नैना, नैना नंद की,

नाचन लागी कलियाँ जोबन की,

मद भरी मदन की नाची जवानी,

थैता दिगदिग थैऽ ऽऽथैऽ,

सकुचाय गई कुछ केह ना सकी,

अब कहाँ कहु पछताय गई - (३)

१३	१४	१५	१६
			अेरी गुइयाँ
गाऽगर	निऽरभ	रनगई	जुमनाऽ
नाऽचन	लाऽगीब	संऽऽत	ऋतुताऽ
झाँऽकीऽ	ऽऽझांऽ	कीऽझम	कीऽताऽ
झुऽमझु	ऽमझुम	झननन	झमकीऽ
चमकीऽ	ऽऽदम	कीऽताऽ	किरकीऽ
तोऽरमो	ऽरत्रिऽ	भंऽऽग	अंगताऽ
आऽवजा	ऽवताऽ	थिरकीफि	रकताऽ
थाऽटबा	ऽटताऽ	परनति	हाऽईऽ
धुरन मु	रन गत	निकासक	नाऽचीऽ
चंचलच	पलचप	लाऽसीऽ	निकसीऽ
निकस्योऽ	नौऽरस	ताऽलमृ	दंगधुन
धाऽकिटतकधुम	किटधाऽ	ताधाऽऽ	गदिगन
सुंऽदर	छबीनीर	खीऽअति	प्याऽरीऽ
कृपाऽभ	यीऽतोरी	कृष्णमु	राऽरीऽ
वाऽरीऽ	जाऊमैऽ	वाऽरीऽ	जाऊऽऽ
भरगाऽ	गर तब	शिऽषध	रीऽझट
कीऽऽऽ	ऽऽमट	कीऽऽऽ	ऽऽलट

कीऽमेरो	पग लप	टायगऽ	योऽऽऽ
झटपट	झटमेंऽ	धसकीऽ	ऽऽतब
गिऽरप	रीऽधम	धमकीऽ	ऽऽऽऽ
भीऽगग	ईऽमोरी	चुनरक	चुऽकीऽ
बुंऽदल	गीऽमोहे	अवनीऽ	रजकीऽ
निरखीऽ	नैऽनाऽ	नैऽनाऽ	नंदकीऽ
नाऽचन	लाऽगीऽ	कलीयाँजो	बनकीऽ
मदभरी	मदनकी	नाऽचेज	वाऽनीऽ
थैऽताऽ	दिगदिगथैऽ	ऽऽथैऽ	ऽऽसकु
चाऽयग	यीऽकछु	केहनाऽ	सकीअब
कहाँऽक	हुऽपछ	ताऽयग	इँऽअब
कहाँऽक	हुऽपछ	ताऽयग	इँऽअब
कहाँऽक	हुऽपछ	ताऽयग	इँऽअब

Xता

13) Pandit Dr. Jagdish Gangani

14) Pandit Dr. Jagdish Gangani

(१५) ना जानु नाथ – गुडार्थ

ना जानु नाथ, ना जानु नाथ,

बाँधी भूमि अगणित कण धूल,

बरसत बारी अगणित बूँद,

नाभो बादल करे बिछात,

बात बिहारी ना पकरी जात,

मेरो नाथ, मेरो नाथ, ना जानु नाथ,

अतुल भूधर, अतुल जलचर,

था अथा को ना कोइ नाप,

नीची था अथा अति ऊँची,

अती ऊँची ना जाये बरसात,

मेरो नाथ, मेरो नाथ, ना जानु नाथ,

एक रुप निरख्यो ना जाय,

दूजो रुप निरखे मन भाय,

संग में बैठे, संग में दौडे.,

कर पकरी ना उठाये जात,

मेरो नाथ, मेरो नाथ, ना जानु नाथ,

था संसार अथा सागर,

घटत बढत चतुरा दिन रात,

खभी संग में चले दिन रात,

सुंदर के संग में चले दिन रात,

मेरो नाथ, मेरो नाथ, ना जानु नाथ ।

15) Pandit Dr. Jagdish Gangani

(१६) गुणांक :

एक ब्रह्म उर धरि सुंदर,

दो नैना निरखी त्रिलोकी,

चतुर्भाग अवनी पर प्रगटे,

पाँच तत्व धर आए नाथ,

छटी सजी पूजन कौशैल्या,

सप्त ऋषि संग आए पंडिता,

अष्ट सखा संग आयी नायिका,

नवरस लेत आई अवनिका,

दसो दिसा मिल गाई गान बधाई,

ग्याराह रुद्र पजी घर आई,

द्वादश पूजन को गई त्रिया,

तेरह बरस उपजी उर हिया,

चौदह बरस गए राम वनवास,

सुंदर झुक झुक करे प्रणाम,

पंद्रह बरस बेठी किशोरी,

गाई बधाई सुनयना गौरी,

सुंदर सज्यो श्रींगार सोला,

सिता पहनाइ रघुनाथ गले माला – (३)

16) Pandit Dr. Jagdish Gangani

(१७) राग – देश, ताल – एकताल

तेरो आधार करतार, ज़ोरी कर ठाडो नाचे सुंदर , नाचे सुंदर ,

सम , विसम , अतीत , अनाघात ,

चटक , मटक , ठाठ , बाँट ,

लास्य , तांडव , अंग भाव ,

चंचल , चपल , चलत चाल , चलत चाल , चलत चाल ,

तेरो आधार .....

लय , ताल , एकताल,

विलंबित , मध्य, द्रुतलय ,

आडी , कुआडी , बिआडी लय , गती ,

नाचत सुंदर गुरु ज्ञान

तेरो आधार .....

नाचत गत अंग कर भाव ,

धुरन मुरन हाव भाव,

कसक मसक छेड छाड ,

चंचल चाल गत निकास , गत निकास , गत निकास

तेरो आधार .....

हसन दसन मुख बिलास ,

नैयना रसाल , भृकुटी कमान

डोली ग्रीवा , लागे बाण

नाचत सुंदर गत श्रृंगार , गत श्रृंगार , गत श्रृंगार

तेरो आधार.....

17) Pandit Dr. Jagdish Gangani

(१८) गुरु महीमा : गुरु मेरे दीन्हो, ताल – पंजाबी अध्धा

गुरु मेरे दीन्हो जग को सार,

मिलेंगे लेही जनम अवतार ।

विद्या दी, दीन्हो धन, दीन्हो जग को साथ,

जगत मात हे शारदा की दि कृपा अपार,

गुरु मेरे.....

ज्ञान दीन्हो, दीन्हो मान, दीन्हो विद्या को साथ,

ज़गत पति भोले नाथ की, दी कृपा अपार,

गुरु मेरे.....

संग दीन्हो, दीन्हो संप, दीन्हो साध को साथ,

सुमिरन शक्ति ज्ञान की, दी कृपा अपार,

गुरु मेरे .....

जप दीन्हो, दीन्हो तप, दीन्हो सुख को साथ,

सुंदर शरण गुरुदेव की, दी कृपा अपार,

गुरु मेरे .....

स्थाईः

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
			शा	सागा	मप	द्यप	म	प	गम	म	घ	सा	–	द्य	नि
			गु	रुऽ	ऽऽ	ऽऽ	मे	रो	ऽऽ	दी	न्हो	ऽऽ		जऽ	गको
x				**2**				**0**				**3**			
रे	ऽ	ऽ	ऽ	निरे	गप	मग	सा	ऽ	म	–	गसा	ऽ	द्य	ऽ	नि
सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	र	ऽ	दी	ऽ	न्होंऽ	ऽ	ज	ग	को
X				**2**				**0**				**3**			
सा	ऽ	ऽ	सा	निद्य	निसा	नि	द्य	ऽ	रे	ऽ	ऽऽ	घ	ग	रे	ऽ
सा	ऽ	र	मि	लेंऽ	ऽऽ	गे	स	ऽ	ले	ऽ	हीज	न	म	अ	व
X				**2**				**0**				**3**			

सा ता **X** रे सा	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ र ऽ ऽ	सा गु ऽ र	साग रुऽ **2** 	मप ऽऽ 	द्यप ऽऽ 	म मे 	प रो **0** 	गम ऽऽ 	म दी 	ग न्हों 	सा ऽ **3** 	ऽ ऽ 	द्य ज 	नि गको

अंतराः

    	 	 	 	 	 	 	 	ऽ ऽ **0** 	म नि 	ऽ ऽ 	ऽ धा 	ऽ दी **3** 	ऽ ऽ 	ऽ ऽ 	ऽ ऽ
ष दी **X** द्यप शाऽ **X**	मग न्हों पम ऽऽ 	रे ऽ म थ 	स ऽ ऽ ऽ 	ऽ ऽ **2** सां गु **2**	रे द्य निद्य रुऽ 	गम नऽ ऽ ऽ 	सा ऽ म मे 	ऽ ऽ **0** म रे **0**	सा दी सा ऽ 	ग ऽ साग दीऽ 	मद्य हों मद्य न्होऽ 	ऽ ऽ **3** ऽ ऽ **3**	द्य ज द्य ज 	ऽ ग ऽ ग 	ऽ को ऽ को

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
द्य सा **X** ऽ ऽ **X** म पा **X** रे सा **X**	प ऽ नि शा ऽ ऽ ऽ ऽ 	प ऽ द्य ऽ ऽ र ऽ ऽ 	म र म र सा गु ऽ र 	ऽ ऽ **2** प दा **2** साग रुस **2** 	ऽ ग ऽ मप ऽऽ 	ऽ म की द्यप ऽऽ 	ऽ ऽ ऽ म मे 	ऽ ऽ **0** ऽ ऽ **0** प रो **0** 	गऽ जग सां दी गम ऽऽ 	ऽम ऽत नि ऽ म दी 	मऽ माऽ ऽ क्र ग न्हो 	द्य ऽ **3** पम पाऽ **3** सा ऽ **3** 	**द्य** त पग ऽऽ ऽ ऽ 	ऽ ऽ ऽ ऽ द्य जड 	नि ए घ स् ऽनि घको

18) Pandit Dr. Jagdish Gangani

(१९) कजरी , विरोहकण्ठीता नायिका, राग – चारुकेशी, ताल – दादरा

छाई बदरीयाँ , बरसे बुंदे ,

भर गई नदियाँ तालाब रे,

कारी घटा बन गई बैरन,

कैसे आएंगे मोरे साजन,

छाई बदरीयाँ .....

गरजे बदरीयाँ , चमके बिजुरिया ,

धरकन लाग्यो मोरा जीयरा ,

कारी रतियाँ बन गई बैरन,

कैसे आएंगे मोरे साजन,

छाई बदरीयाँ .....

छाया अधेरॉं ना दिखे तारा ,

छुप गई चंदा की चांदनी ,

कारी घटा बन गई बैरन ,

कैसे आएगें मोरे साजन ,

छाई बदरीयाँ .....

सुनो सुंदर हुआ सवेरा,

जागो , उठो आए हैं साजन,

ठंडी पुरवैयाँ चली हैं बैरन,

बेठी जागी मोरे साजन ,

छाई बदरीयाँ .....

19) Pandit Dr. Jagdish Gangani

(२०) अष्टनायिका :

अेक तो अकेली बैठी , चेती देखे शाम को,

दुजी तो दुबारा गई, मिली बैठी शाम को ,

त्रीजी तो ताकती देखे, ताकी ताके शाम को,

चौथी तो चौगीनी बोली , बोली बोले शाम को,

पाँचो तो पगली घेली, बनी बैठी राम को,

छठी तो छबीला चोट , करी बैठी रात को,

सप्तम तो सुहानी मीठी , वाणी बोले शाम को,

अष्टम तो अटरीया बैठी, देखे दिन रात को ,

सुंदर तो संगीत रीत , साधे दिन रात को,

20) Pandit Dr. Jagdish Gangani

(२१) विरोहतकंठिता नायिका :

बीती सगरी रैन, पल पल नाहि चैन पिया मोरा,

बीती सगरी रैन.....

टिहु टिहु करत पुकार टिटोरी,

कुहू कुहू बोले कोयल बैठी कारी,

मेरे प्राण प्यारे को कौन कहे संदेसा,

होऽऽ पपीहा मोरी उर की पीड अती भारी, पिया मारा,

बीती सगरी रैन.....

चंदा की चांदनी में बोली खिलखिलाट चकोरी,

सुंदर चांदनी में खेली संग मतवारी,

भोर भई मैं बैठी जागी रात सारी,

मेरे नैना भरी वारी, मैं कब मीलुंगी संग बिहारी, पिया मोरा,

बीती सगरी रैन.....

बिहारी कुंज बिहारी, करी आस मैं बैठी,

मेरे साँवरा गिरधारी, दीजिए ज्ञान गुण सुंदर को,

सुंदर करे बिनती किर्ती सुता को, अरज सुन लीजै नाथ, पिया मोरा,

बीती सगरी रैन.....

थी पलंग पर जा बैठी झूले पर पिया,

कर धर पकरी करियाँ तो बिरहा सतायो,

भीगे भीगे आंसु सुंदर नैन, पिया मोरा,

बीती सगरी रैन.....

21) Pandit Dr. Jagdish Gangani

(२२) वासकसज्जिका नायिका :

करत सोलह सिंगार सजकर,

गागर सिर धर निकसी राधे,

जात हैं पनघट पनीहारन,

भरन जल जमुना को नीर,

करत सोलह सिंगार सजकर.....

शेषन रखडी, चुंटलो सोहे,

कालिंदर मणिनाग ज्युं,

केसर तिलकन चमके तारे,

द्रगन कजरा चँद्र रेखा,

नाक मे नथ सोहे, कानो मे झुमर,

गरे मे गरछरी, बाहों मे बाजुबंध,

कर मे कंगन, थल मे मेहंदी,

शोभत रंग गुलाब सा,

कटि मे करधनी, पैंरो मे पायल,

छुमक छुम छुम बिछुआ बाजे,

सर पे चुनर लहर दामिनी,

अंग मे चाली, कटि मे कलियाँ,

घुंघट का पट ओट कर कर,

लचक लचकत, थिरक थिरकत – (३)

22) Pandit Dr. Jagdish Gangani

(२३) होरी :

आयो गोकुल को गिरधारी, भर भर मारे रंग पिचकारी,

आयो गोकुल को.....

खेलत फाग बरसाना सिवाङ, बन ठन कर आए ब्रज नर नार,

संग सखी वृषभानु दुलार, चहु दिस खेलत अबीर गुलाल,

आयो गोकुल को.....

गावत गान मिल ब्रज नर नार, सुंदर सुमिरन सुंदर नार,

पनघट को आयो मटकी फोर, जमुना तट को चीर को चोर,

राधा को आयो चित को चोर, नंद गाँव को माखन चोर,

ब्रज को रसियो, ब्रज को छलियो, ब्रज को बोलो नाग नथैयो,

आयो गोकुल को.....

भीगी भीगी राधा की सारी, सखिँया हँसत दे दे तारी,

होरी खेले ब्रज नर नारी, लाजी लाजे राधा नारी,

चन्द्रमुखी नैना मतवारी, देख रुप मोहे ब्रज नर नारी,

इत उत भागत, लाजत, मंद मंद मुस्कात, फरकत अंग रे,

आयो गोकुल को.....

धाय धाय धाय मारी कुमकुमा, मारी कुमकुमा, मारी कुमकुमा,

राजत सुंदर अंग पर रंग, ग्वाल सखा सब मिल गावत गान,

मधुर मधुर बाजे संग संग, मधुर मधुर बाजे संग संग,

आयो गोकुल को.....

23) Pandit Dr. Jagdish Gangani

(2) PANDIT JAGDISH GANGANI

(१) परन – ताल – तिनताल, मात्रा – १६, विलंबीत लय

x धीतट धा	धातिऽट	ऽकऽता	ऽगऽदि
२ ऽघिऽन	ऽधा किट	धाऽऽऽ	धाऽत्रकधि
० किटधाऽत्र	कधिकिट	धीटधाऽ	धात्रकधिकिट
३ धात्रकधिकिट	धीटधाऽ	धागेतिटगदिगन	नागेतिटकताकता
x तकिट धिकिट धागे	दिगनागेतिटकता	धागेतिटगदिगन	नागेतिटकताकता
२ तकिट धिकिट धागे	दिगनागेतिटकता	तकिटधिकिटधागे	दिगनागेतिटकता
० धाऽतकिटधा	तकिटधा तकिट	धाऽतकिट धा	तकिट तकिट
३ धाऽकिट धा	तिकिट धा तकिट	धाऽऽधा	ऽधाधा धाऽ
x धा			

1) **Pandit Dr. Jagdish Gangani**

(२) परन – ताल – तिनताल, मात्रा – १६

x धातिटधा धाऽ	तिट धातिट धा	तिटतिटधा तिट	तिटतिट धा
२ गदिगनधा गदि	गनगदिगन धा	क्डाऽनधा क्डां	ऽनक्डानधा
० धातिटधा तिट	तिटधा गदिगन	धाक्डाऽन धा	तिटकतागदि गन
३ धातिट धा तिट	कतागदिगन धा	तिटधा तिटकता	गदिगन धातिट
x धाऽऽऽ	धातिट धा	ऽताऽऽ	तिटकता गदिगन
२ धातिटधा तिट	कतागदिगन धा	तिटधा तिटकता	गदिगनधातिट
० धाऽऽऽ	धातिट धा	ऽताऽऽ	तिटकतागदिगन
३ धातिटधा तिट	कतागदिगन धा	तिटधा तिटकता	गदिगन धातिट
x धा			

2) Pandit Dr. Jagdish Gangani

(३) तिहाई, विलंबित लय – ताल – तिनताल, मात्रा – १६

x तकिटधि	किट धागे	दिगनागे	तिटकता
2 धाऽऽऽ	तकिटधिकिट धागे	दिगनागे तिटकता	गदिगन धाता
0 धा धागेदिगनागे	तिटकतागदिगन	धाता धा धागे	दिगनागे तिटकता
3 गदिगन धाता	धाऽक्डधाता	धाऽक्ऽ धाता	धाऽ१ऽ
x रऽतकि	दधिकिट	धागेदिग	नागेतिट
2 कताधाऽ	ऽतकिट धि	किटधागे दिगनागे	तिटकता गदिगन
0 धाताधा धागे	दिगनागे तिटकता	गदिगन धाता	धा धागेदिगनागे
3 तिटकता गदिगन	धाताधा क्ऽ	धाताधाक्ड	धाताधाड
x १ऽ२ऽ	तकिट धि	किटधागे	दिगनागे
2 तिटकता	धाऽऽऽ	तकिटधिकिट धागे	दिगनागेतिटकता
0 गदिगन धाता	धा धागेदिगनागे	तिटकता गदिगन	धाताधा धागे
3 दिगनागे तिटकता	गदिगन धाता	धाक्ऽधाता	धाऽक्ऽधाता
x धा			

3) Pandit Dr. Jagdish Gangani

(४) गोपुछा : ताल - तिनताल , मात्रा – १६

×धातिटधा	ऽधातिट	धाऽऽऽऽ	धातिटधा
२ऽतिटकता	गदिगनधातिट	धातिटकतागदि	गनधातिट धा
०तिटकतागदिगन	धातिटधा	ऽतिटऽ	कताऽगदि
३गन धाऽ	ऽतिटऽ	कताऽऽ	गदिऽग
×न धाऽऽ	ऽ१२ऽ	धातिटधा	ऽधातिट
×धाऽऽऽ	तिटकतागदिगन	धातिटधा तिट	कतागदिगनधा
०तिटधा तिटकता	गदिगन धातिट	धाऽऽऽ	तिटकता
३गदिगन	धाऽऽऽ	तिटऽक	ऽताऽग
×दिऽगन	धाऽ१ऽ	२ऽधातिट	धाऽऽऽ
×दिऽगन	धाऽ१ऽ	२ऽधातिट	धाऽऽऽ
२तिटकतागदिगन	धातिटधा तिट	कतागदिगनधा	तिटधा तिटकता
०गदिगन धातिट	धाऽऽऽ	तिटकता	गदिगन
३धाऽऽऽ	तिटऽक	ऽताऽग	दिऽगन
×धा			

- तिनताल - विलंबित तथा एकताल मे भी आ सकती हैं।

4) Pandit Dr. Jagdish Gangani

(५) परन : ताल, तिनताल, मात्रा – १६, विलंबीत लय

×धीटधाऽ	ऽऽधीट	धातीटधा	तीटधाऽ
२क्रडधेत्त धा	धींऽधाऽ	कत्तधा	ऽत्रकधिऽ
०किटऽधाऽ	ऽत्रकधि	किटऽधा	ऽक्रडधा
३तिटधात्र	कधिकिटऽ	धात्रकधि	किटऽधा
×क्रडधातिट	धात्रकधिकिट	धात्रकधिकिट	धाक्रडधातिट
२धागेतिट गदिगन	नागेतिटकताकता	धात्रकधिकिटधागे	दिगनागेतिटकता
०धाऽकत्तधा	कत्तधा कत्त	धाऽ१२	धा कत्त धा
३कत्त धा कत्त	धा ऽ १२	धा कत्तधा	कत्त धा कत्त
×धा			

5) Pandit Dr. Jagdish Gangani

(६) लमछड परन ञ ताल - धमार, मात्रा – १४, वलंबीत लय

×धीटधाऽ ऽऽधीट धातीट धा तीटधाऽ क्रडधेत्त धा

२धिंऽधाऽ कत्तधा

०ऽत्रकधिऽ किटऽ धा ऽत्रकधि

३किटड धा ऽक्रडधा तिटधात्र कधिकिटऽ

×धात्रकधि किटऽधा क्रडधातिट धात्रकधिकिट धात्रकधिकिट

२धा क्रडधातिट धागेतिट गदिगन

०नागेतिटकताकता धात्रकधिकिटधागे दिगनागेतिटकता

३धागेतिटगदिगन नागेतिटकताकता धात्रकधिकिटधागे दिगनागेतिटकता

×धागेतिटगदिगनट नागेतिटकताकता धात्रकधिकिट धागेदिगनागे धाऽकत्तधा तिटकता

२कत्तधा कत्त धाऽ१ऽ

०२ऽ३ऽ धाकत्तधा कत्तधा कत्त

३धाऽ१ऽ २ऽ३ऽ धाऽकत्तधा कत्त धा कत्त

×धा

6) Pandit Dr. Jagdish Gangani

(७) लमछड तोडा : ताल - धमार (नटवरी बोल-चक्रदार) मात्रा-१४, वलंबीत लय

×ताथैथैत त्थैऽत् त्थैऽअे थैथैतत थैऽतत्

२थैऽताऽ ताथैथैत

०त ऽ आऽ आथैथै त त ऽ ताथै

३थैतत्ऽ आथैथैत त तत्तत् थै तत्तत्थै तत्

×तत् थै तत्तत् थैऽ ताथै थैतत् ऽ अेथैथै त त् तत् तत्

२थै तत्तत्थै तत् तत्थैतत्तत्

०थै ऽ ताथै थैतत्ऽ अेथैथैत्

०त् तत्तत् थै तत्तत्थैतत् तत्थैतत्तत् थैऽ१३

×२ऽ ताथै थैतत्थै ऽतत्थै ऽअेथैथै तत्थैऽ

२तत्थैऽ ताऽ ताथै

०थैतत्ऽ आऽ आथै थैतत्ऽ

३ताथैथैत त्ऽआथै थैतत्ऽ तत्तत्थै

×तत्तत्थै तत् तत्थैतत्तत्थै ताथैथैत तऽआथै थैतत् ऽ

२तत् तत् थै तत्तत्थैतत्

०तत्थै तत्तत्थै ताथैथैत तऽआथै

३थैतत्ऽ तत्तत्थै तत्तत्थै तत् तत्थै तत्तत् थै

×ऽ१२ऽ ताथैथैत तथैऽत त्थैऽअे थैथैतत्

२थैऽतत् थैऽताऽ

०ताथैथैत तऽआऽ आथैथैत

३तऽताथै थैऽतत् आथैथैत त तत् तत्

×थैतत्तत् थैतत् तत्थैतत्तत् थैऽ ताथै थैतत्ऽ अेथैथैत

२त् तत् तत् थैतत्तत्थैतत्

०तत्थै तत्तत् थैऽताथै थैतत्ऽ

३अेथैथैत त् तत्तत् थैतत्तत्थैतत् तत्थैतत्तत्

×ता

7) Pandit Dr. Jagdish Gangani

(८) गणेश परन > ताल - रासताल, मात्रा - १३ , विलंबीत लय

×गंऽगंऽ	गणपति		
२गजमुख	मण्डल		
०धिटगिड	धिटगिड	धिटगिड	थुनथुन
३तत तत	थईऽत		
४जयजग	वंदन	वऽकतुं	
×ऽड़धाऽ	निधाऽऽ		
२ताऽऽ	विंध्न ह		
०रनशुभः	करनधा	गेनधागे	धुमकिट
३धुमकिट	थुडुऽगं		
४थुडुऽगं	गदिगन	थईगदि	
×गनथई	गदिगन		
२गंऽगंगण	पति गजमुख		
०मंण्ड़ल घिट	गिड़ घिटगिड़	घिटगिड थुन	थुन तत तत
३थईऽऽत	जयजग वंदन		
४वक्रतुंऽड़ धानि	धाताऽऽ	विघ्नहरन शुभ	
×करनधागेनधागे	धुमकिट धुमकिट		
२थुडुंऽग थुडुंऽग	गदिगनथई गदि		
०गनथई गदिगन	थईऽऽआ	थुडुंऽग थुडुंऽग	गदिगनथई गदि
३गनथई गदिगन	थईऽऽआ		

४थुडुंऽग थुडुंऽग गदिगनथई गदि गनथई गदिगन

×ता

(९) परन : ताल - रासताल, मात्रा - १३ , विलंबीत लय

×धिरधिरकिटतक धाऽधिट

२धातिट धा तिटधाऽ

०धाऽधाऽ धात्रक धा धिंधाकत्त ऽधाधिंधा

३कत्त ऽधा धिंधाकत्त

४धागेतिटगदिगन नागेतिटकताकता तकिटधिकिटधागे

×दिगनागेतिटकता धाऽतिट

२धाऽतिट धा तकिट धा

०तकिटधा तकिट धाऽतिट धाऽतिट धा तकिट धा

३तकिटधा तकिट धाऽतिट

४धाऽतिट धा तकिट धा तकिटधा तकिट

×धा

8) **Pandit Dr. Jagdish Gangani**
9) **Pandit Dr. Jagdish Gangani**

(१०) परन : ताल - रासताल, मात्रा - १३ , विलंबीत लय

×धाऽऽत्रक	धिकिट ऽ		
२धाऽऽत्रक	धिकिट ऽ		
०धाऽक्रडऽ	धाडतिट	धाडत्रक	धिकिट ऽ
३धिटऽ धि	टऽधिट		
४धाऽत्रक	धिकिट ऽ	धिटधाऽ	
×ऽऽधिट	धाऽऽता		
२ऽऽधा ऽ	धिटऽधि		
०टऽधिट	धातिटऽ	धातिटऽ	धाऽऽऽ
३धातिटऽ	धातिटऽ		
४धाऽऽऽ	धातिटऽ	धातिटऽ	
×धात्रकधिकिट	धात्रकधिकिट		
२धाऽक्रडधातिट	तात्रकतिकिट		
०तिटतिटतिट	धात्रकधिकिट	धिटधाऽधिट	धाऽताधा
३धिट धिट धिट	धातिटधातिट		
४धाऽधतिट	धतिटधाऽ	धातिट धातिट	
×ताऽथई तिगधातत्	नादिगदिग नादिगदिग दिग दिग		
२थोदिगदिग थोदिगदिगदिगदिग	थैऽतत्थई		
०तिगधादिगदिग थोदिगदिग	थैऽतत्थै	तत् तत् थैतत्तत्	थैऽऽऽ
३थईऽतत्तत्थै	तत्तत्थैतत्तत्		
४थैऽऽऽ	थईऽतत्तत्थै	तत्तत्थैतत्तत्	
×ता			

10) Pandit Dr. Jagdish Gangani

(११) चक्रदार फरमाइशी तोडा : ताल - रासताल, मात्रा - १३ , विलंबीत लय

×तीऽट ती ऽट कऽ

२ता कऽता गऽदि ग

०ऽदि घिऽ न्न घिन्न धाऽऽऽ तीटकता

३गदिगन धा तीटकता

४गदिगनधा गदिगनधा तीटकतागदिगन
तीटकता

×धाऽतीटकता गदिगनधा तीट

२कतागदिगनधा तीटकतागदिगन

०धाऽतीटकता गदिगनधा तीट कतागदिगनधा तीटकतागदिगन

३धाऽऽऽ तीऽट ती

४ऽट कऽ ता कऽता गऽदि ग

×ऽदि घि न्न घिन्न

२धाऽऽऽ तीटकता

०गदिगन धातीटकता गदिगनधा तीटकता गदिगन धा

३तीटकतागदिगन धाऽतीटकता

४गदिगनधा तीट कतागदिगनधा तीटकतागदिगन

×धाऽतीटकता गदिगनधा तीट

२कतागदिगन धा तीटकतागदिगन

०धाऽऽऽ तीऽट ती ऽट कऽ ता कऽता

३गऽदि ग ऽदि घि

४न्न घिन्न धाऽऽऽ तीटकता

×गदिगन धातीटकता

२गदिगनधा तीट कतागदिगन धा

०तीटकतागदिगन धाऽतीटकता गदिगनधा तीट कतागदिगनधा

३तीटकतागदिगन धाऽतीटकता

४गदिगनधा तीट कतागदिगनधा तीटकतागदिगन

×धा

(१२) परन : ताल - रासताल, मात्रा - १३ , विलंबीत लय

×धागेतीट	तागेतीट		
२क्रडधेतीट	तागेतीट		
०धाऽतीट धा	गेदीगन	थुनथुन	धाऽधाऽऽ
३धाऽधाऽ	ऽधाऽ		
४धाऽऽधाक्ष;	ऽधाऽऽ त	धाऽऽऽ	
×ऽऽऽऽ	धाऽधाऽऽ		
२धाऽधाऽ	ऽधाऽ		
०धाऽऽधा	ऽधाऽऽ त	धाऽऽऽ	ऽऽऽऽ
३धाऽधाऽ	धाऽधाऽ		
४ऽधाऽ	धाऽऽधा	ऽधाऽऽत	
×धा			

11) Pandit Dr. Jagdish Gangani

12) Pandit Dr. Jagdish Gangani

(१३) तिहाई : ताल - रासताल, मात्रा - १३ , विलंबीत लय

×ताऽऽऽ	थईऽऽ		
२थईऽऽ	तत्ऽऽ		
०आऽऽऽ	थईऽऽ	थईऽऽ	तत्ऽऽ
३ताथइथइतत्	ताथइथइतत् आथइथइतत्		
४ताथइथइतत् आथइथइतत्	ताऽधेरीकिटतक आथइथइतत्	ताथइथइतत्	
×ताऽ	थीथीताता	थीथीताताथीथीताता	
२थीथीताता ताथइथइतत्	आथइथइतत् ताथइथइतत्		
०आथइथइतत् ताऽ धे	रीकिटतक ताथइथइतत्	आथइथइतत ताऽ थीथीताता	थीथीताता
३थीथीताता थीथीताता	ताथइथइतत् आथइथइतत्		
४ताथइथइतत् आथइथइतत्	ताऽधेरीकिटतक आथइथइतत्	ताथइथइतत्	
×ता			

13) Pandit Dr. Jagdish Gangani

(3) PANDIT NARAYAN PRASAD

(१) थाट, ताल – तिनताल, मात्रा – १६

x धात्रकधि	किट धादि	धिनऽऽऽ	ऽऽऽऽ
2 तकधिलाँ	ऽगधादी	कतऽऽऽ	ऽऽऽऽ
0 तिटकता गदिगन	धाऽतिटकतागदि	गिनधाऽतिटकता	गदिगन धाऽऽऽ
3 ऽऽथऽ	ईऽताऽ	ऽऽथऽ	ईऽताऽ
x तकधिंला	ऽगताऽ	ऽऽथईऽ	ऽथईता
2 थईऽऽऽ	तिटकता	तकधिलाँ	ऽगताऽ
0 ऽऽथई	ऽथईता	थईऽऽऽ	तिटकता
3 तकधिलाँ	ऽगताऽ	ऽऽथईऽ	ऽथईता
x ता			

(1) Kathak Gyaneshwari – Pandit Tirth Ram Azad, page-31

(२) तिश्र जाती का तोडा – ताल – शिखर, मात्रा – १७

x त्रांऽग	त्रांऽग	ऽऽऽ	त्रांऽग
2 तकत	तकत	तकत	थुंनदऽग
3 दिगदिगदिग	थईऽऽ	धिगतऽ	
4 धिगतऽ	ताथईया		
5 ताथईया	ततत	थुंथुंथुं	नानाना
x दिगदिगदिग	थईऽऽ	थईऽत	थईऽऽ
2 ततत	थुंथुंथुं	नानाना	दिगदिगदिग
3 थईऽऽ	थईऽत	थईऽऽ	
4 ततत	थुंथुंथुं		
5 नानाना	दिगदिगदिग	थईऽऽ	थईऽत
x ता			

(2) Kathak Gyaneshwari – Pandit Tirth Ram Azad, page-10

(३) परन – ताल – शिखर, मात्रा – १७

x धागेधि	टधिट	तागेति	टतिट
2 क ऽ धाति	टतिट	धगन	धाऽऽऽ
3 कतिटतिटकिट	धागेतिटकिट	धिनतडाँन	
4 तागेतिटकिट	थुंथंथुं		
5 नानाना	दीदीदी	धिरकिटतक	धाऽऽऽ
x धाऽत	धाऽऽऽ	ऽऽऽ	थुंथंथुं
2 नानाना	दीदीदी	धिरकिटतक	धाऽऽऽ
3 धाऽत	धाऽऽऽ	ऽऽऽ	
4 थुंथंथुं	नानाना		
5 दीदीदी	धिरकिटतक	धाऽऽ	धाऽत
x धा			

(3) Kathak Gyaneshwari – Pandit Tirth Ram Azad, page-18

(४) **कवित- ताल – ३द्र – मात्रा – ११**

x बाजत ता	ऽलमिर	दंऽगमु
2 रलीधुन	धाऽधिलाँ	
0 ऽगधुम	किटतक	
3 गदिगन	छुमछुम	
4 धननन	बाडजत	
x घुंधरुऽ	निरतत	रककृष
2 णाऽनिर	तकरत	
0 कृष्णाऽ	कृष्णाऽ	
3 निरतत	रतकृष	
4 णाऽकृष	णाऽकृष	
x णा		

(४) **Kathak Gyaneshwari – Pandit Tirth Ram Azad, page-18**

(५) **अनाधात चक्रद्रार परन, ताल – तिनताल, मात्रा – १६, बराबरी की लय**

x तकथरी	तकथरी	कुकुथरी	कुकुथरी
2 तकधिलां	गतक	धिलांग	धुमकिट
0 धुमकिट	ददिगन	ददिगन	ददिगन
3 ताऽधाऽ	ददिगन	ददिगन	ददिगन
x ताऽधा	ददिगन	ददिगन	ददिगन
2 ताऽधाऽ	ऽऽऽऽ	तकथरी	तकथरी
0 कुकुथरी	कुकुथरी	तकधिलां	गतक
3 धिलांग	धुमकिट	धुमकिट	ददिगन
x ददिगन	ददिगन	ताऽधाऽ	ददिगन
2 ददिगन	ददिगन	ताऽधाऽ	ददिगन
6 ददिगन	ददिगन	ताऽधाऽ	ऽऽऽऽ
3 तकथरी	तकथरी	कुकुथरी	कुकुथरी
x तकधिलां	गतक	दिलांग	धुमकिट
2 धुमकिट	ददिगन	ददिगन	ददिगन
0 ताऽधाऽ	ददिगन	ददिगन	ददिगन
3 ताऽधाऽ	ददिगन	ददिगन	ददिगन
x ताधा			

(५) **Kathak Nritya Parampara – Dr. Prem Dave, page-204**

(६) कवित, कालिया दमन, – ताल – तिनताल– मात्रा – १६

x गेंऽद	खेऽलत	हिरत	फिरतत
2 करत	छलबल	कोऽरी	देहमेंऽ
0 कुऽद	गयेदऽऽ	माऽर	गोऽता
3 नाऽग	बीऽके	पाऽस	जबतब
x पहुँच	गयेऽऽ	नाऽग	न्योंऽसे
2 कहन	लाऽगेउ	ठाओ	नाऽग
0 देऽव	कोऽऽ	नाऽग	नीतब
3 चमक	उऽठीऽ	तुमहो	बाऽलगो
x पाऽल	लाऽला	हमको	आवतह
2 तरस	तुमपर	हंसत	हंसत
6 कृष्ण	बोऽले	नाऽग	नाऽथन
3 आऽयो	मैं	नाऽग	जीऽने
x उठके	देऽखा	क्रोऽध	सेऽमाऽ
2 रीऽफुं	काऽरऽ	सनन	ननकुंऽ
0 काऽर	कीऽजब	गूंऽज	ध्वनीऽ
3 छाऽगऽ	इऽऽऽ	कृष्ण	जीऽजब
x नीऽल	बरनन	भण ल	गेऽदोऽ

2युऽद्ध	करनेऽ	झटक	झटपट
0पटक	पटपट	नाऽग	जीऽको
3नाऽथ	लीऽयोऽ	नाऽथ	सेऽजब
xखींच	करलेऽ	आऽण	जमनाऽ
2धाऽर	मेंऽऽऽ	फनन	नऊपर
0चरन	ननधर	नादिगदिग	दिगदिगदिगदिग
3थोदिगदिग	दिगदिगदिगदिग	त्रामत	ततथई
xत्रामत	ततथई	निरत	त्तत्तत्
2करन	लागेऽ	सांऽवऽ	रेऽगोऽ
0पाऽल	लाऽल	थररर	ररर
3नाऽग	नीऽयेंऽ	कांऽपऽ	उऽठीऽ
xचरन	ननपर	परप्र	भूंऽकेऽ
2विनती	करकह	नेऽल	गीऽऽऽ
0अबहुं	जाऽनुऽ	तुमहो	कृष्णव
3ताऽर	प्रभुजी	हमको	देऽओसु
xहाऽगऽ	लाऽलोऽ	नाऽगऽ	न्योंकि
2टेडर	सुनकर	नाऽग	जीऽको
0देऽदि	योऽऽऽ	भूऽमि	ब्रजमेंऽ
3धुऽम	मचगई	कृष्ण	जयजय

x काऽर	मचगई	नऽन्द	बाऽबा
2 मगन	भणजब	मांऽय	शोऽधाऽ
0 करत	आऽरती	मोऽति	यऽनके
3 थाऽल	भरभर	देऽत	नाऽराऽ
x यऽणऽ	कोऽऽऽ	गुणप्र	भूऽकेऽ
2 गाऽए	गाऽएके	नाऽचे	नाऽचके
0 मगन	भएभए	मगन	भएभए
3 मगन	भएभए	नाऽरा	याणजब
x मगन	भएभए	मगन	भएभए
2 गाऽए	भएभए	नाऽरा	याणजब
0 मगन	भएभए	मगन	भएभए
3 मगन	भएभए	नाऽरा	याणजब
x ता			

(६) Kathak Nritya Parampara – Dr. Prem Dave, Page no : 224, 225

(७) कृष्ण कवित – ताल – तिनताल– मात्रा – १६ द्रुतलय

x मुरलीकी	2 धुनसुन	2 बाजतमृ	2 दंगध्वनी
x धिधिकिट	2 धिधिकिट	2 धेकित धे	2 किटथई
x निरतक	2 रतउठ	2 हिरतफि	2 रतचित
x चंद्रच	2 पलगति	2 नादिगदिग ना	2 दिगदिगदिगदिग
x थो दिगदिग थो	2 दिगदिगदिगदिग	2 नादिगदिगना	2 दिगदिगदिगदिग
x थो दिगदिग थो	2 दिगदिगदिगदिग	2 त्राऽमऽ	2 त्राऽऽम
x त्रामकट	2 थईकट	2 थईकट	2 त्रामकट
x थईकट	2 थईकट	2 थईकट	2 त्रामकट
x थईकट	2 थईकट	2 त्रामकट	2 थईकट
x ता			

(7) Kathak Nritya Parampara – Dr. Prem Dave, Page no : 229

(4) PANDIT SUNDARPRASAD

(१) चक्रदार परन – ताल – ३द्र – मात्रा – ११

धागेतिट	धागेतिट	धागेदिगे
नागेतिट	केतिरकिटतक	
तागेतिट	केतिरकिटतक	
तागेतिट	कतिट ता	
ऽनधित	ताऽऽन	
धेऽतताऽ	तऽऽन्नन	धेतऽताऽ
किटधाऽ	नधाऽन	
धाऽतऽ	ऽनधेत	
ताऽकिट	धाऽनधी	
ऽनधाऽ	तऽऽन्न	
धेतऽताऽ	किटधाऽ	न धाऽन
धाऽऽऽ	धागेतिट	
धागेतिट	धागेदिगे	
नागेतिट	केतिरकिटतक	
गातेकिट	केतिरकिटतक	
तागेतिट	कतिटता	ऽनधित
ताऽऽन	धतऽताऽ	
तऽऽन्नन	धेतऽताऽ	
किटधाऽ	नधाऽन	
धाऽतऽ	ऽनधेत	
ताऽकिट	धाऽनधा	ऽनधाऽ

तऽऽन्न धेतऽताऽ

किटधाऽ नधाऽन

धाऽऽऽ धागेतिट

धागेतिट धागेदिगे

नागेतिट केतिरकिटतक तागेतिट

केतिरकिटतक तागेतिट

कतिट ता ऽनधित

ताऽऽन धेतऽताऽ

तऽऽन्न धेतऽताऽ

किटधाऽ नधाऽन धाऽतऽ

ऽनधेत ताऽकिट

धाऽनधा ऽनधाऽ

तऽऽन्न धेतऽताऽ

किटधाऽ नधाऽन

$_{x}$धा

(1) Kathak Gyaneshwari – Pandit Tirath Ram Azad, Page no : 18

(२) आमद – ताल – त्रिताल – मात्रा – १६, विलंबीत लय

x धातिट धा	तिटधाधा	तिटकिडधा	तिटधेता
2 तिटधिकि	टधाधिन्ता	किडधादिंता	त्रकधादिंता
0 तकिटधिकिटधागे	दीगनागेतिटकता	कतिटतकिटताके	त्रकधिकिटधान
3 धाऽत्रक	धिकिटधान	धाऽत्रक	धिकिटधान
x धाऽऽऽ	ताधा	ताऽथई	तत्थई
2 आऽथई	ततथई	थईताथ	ईतातततत
0 थईऽत्राम	थईताऽथई	ताथईता	थईऽकिट
3 थईकिटथईकिट	थईऽऽ	ताथईता	थईतऽत
x ताऽत्राम	थईताऽथई	ताथईता	थईऽकिट
2 थईकिटथईकिट	थईऽऽ	तथईता	थईतऽत
0 ताऽत्राम	थईताऽथई	ताथईता	थईऽकिट
3 थईकिटथईकिट	थईऽऽ	तथईता	थईतऽत
x ता			

(2) Kathak Nritya Parampara – Dr. Prem Dave, Page no : 159, 160

(३) दोहरा बोल, ताल – झपताल, मात्रा – १०

x दिनदिन	दिनदिन	
2 धिटधिट	धिटधिट	क्रधेतधा
0 धिटक्रधेत	धाधिट	
3 क्रधाधिट	क्रधाधिट	तकधाकिट
x तकधाकिट	धेत्ताकिट	
2 धेत्ताकिट	धिरधिरकिटतक	धिरधिरकिटतक
0 तिरतिरकिटतक	तिरतिरकिटतक	
3 धिंतिरकिटत	धिंतिरकिटक	धाऽऽऽ
x धाऽऽऽ		

(3) Kathak Ke Pracheen Nritaanga – Dr. Geeta Raghuvir, Page no : 151,152

(४) दुपल्ली – पहला धा, दुसरा धा सम पर, ताल – एकताल, मात्रा – १२

$_{x}$नगनन	गननागे
$_{0}$तेटकत	गदिगन
$_{2}$धगिनध	गिनधागे
$_{0}$तिटधडा	ऽऽनधा
$_{3}$तिटधडा	ऽऽनधा
$_{4}$धा	तिरकिटतकता
$_{x}$धा	तिरकिटतकता
$_{0}$धाऽऽऽ	ऽऽऽऽ
$_{2}$ऽऽऽऽ	नगननगन नागे
$_{0}$तेटकतगदिगीन	धागिनधागिन धागे
$_{3}$तिटघडाऽनधा	तिटधडाऽन धा
$_{4}$धातिरकिटतकता	धातिरकिटतकता
$_{x}$धा	

(4) Kathak Ke Pracheen Nritaanga – Dr. Geeta Raghuvir, Page no : 7

(५) दोहरा बोल –ताल – रासताल, मात्रा – १३

x दिनदिन	दिनदिन	धिटधिट	धिटधिट
2 क्रधेतधा	धिटक्रधे	त्ताधिट	धिटधिट
0 धिटधिट	थुनथुन	थुनथुन	
3 गदिगिन गदिगिन	धा		
x धा			

(5) Kathak Ke Pracheen Nritaanga – Dr. Geeta Raghuvir, Page no : 218

(5) PANDIT JAILALJI

(१) तिपल्ली: ताल तिनताल द्रुतलय, मात्रा – १३

x तकिट त	2 किटतक	0 धुनतक	3 धिलाँऽग
x तक थुन	2 तक थुन	0 थईऽर्रीक	3 कुकुतक
x थईऽर्रीऽ	2 ताऽधिला	0 ऽगत क	3 धिलाँऽग
x थरिक थ	2 रिकथरी	0 किट नग	3 धिकिट न
x गिनतक	2 थुँऽगाऽ	0 त्राऽमत	3 किटददि
x गिनतिट	2 धाऽनधा	0 ऽनधाऽ	3 नधाऽन
x तकिट तकिट	2 तकथुनतक	0 धलाँऽगतक	3 थुनतकथुन
x थईऽरऽिकुकु	2 तकथर्रऽर्रीऽ	0 ताऽधलांऽग	3 तकधलांऽग
x थरिकथरिक	2 थरीकिट नग	0 धिकिटनगन	3 तकथुँऽगाऽ
x त्राऽमतकिट	2 ददिगिन तिट	0 धाऽनधाऽन	3 धाऽनधाऽन
x तकिटतकिट तक	2 थुनतक धिलांऽग	0 तकथुनतकथुन	3 थर्रऽर्रीऽकुकु तक
x थर्रऽथर्री ऽताधिलां	2 ऽगतकधिलाँऽगा	0 थरीकथरीकथरी	3 किटनगधिकिटन
x गिनतक थुंऽगाऽ	2 त्राऽमतकिट ददि	0 गिनतिटधाऽनधा	3 ऽनधाऽनधाऽन
x धा			

(1) Kathak Gyaneshwari – Pandit Tirth Ram Azad, Page no : 28

(२) आमद – (जयपुर घराना) ताल –तिनताल , मात्रा – १६

x धातिट धा	तिट धाधा	तिट किडधा	तिटधेत्ता
2 कत धिकि	टधा दिंता	किडधादिंता	तकधादिंता
0 तकिटधिकिट धागे	दीगनागेतिटकता	कतिटतकिटताके	त्रकधिकिट धाऽन
3 धाऽऽत्रक	धिकिटधाऽम	धाऽऽऽत्रक	धिकिटधाऽम
x धाऽऽता	धाऽऽऽ	ताऽथईऽ	ततथईऽ
2 आऽथईऽ	ततथईऽ	थईता थ	ईता तत
x थईऽत्राम	थईऽथईता	थईऽथईता	थईऽऽकिट
3 थईकिटथईकिट	थईऽऽऽ	ताथईता	थईतऽत
x थईऽऽत्राम	थईथइ,ता	थईऽथईता	थईऽऽकिट
2 थईकिटथईकिट	थईऽऽऽ	ताथईता	थईतऽत
0 थईऽऽत्राम	थईथईता	थईऽथईता	थईऽऽकिट
3 थईकिटथईकिट	थईऽऽऽ	ताथईता	थईतऽत
x थई			

(2) Kathak Gyaneshwari – Pandit Tirth Ram Azad, Page no : 32

(३) तोडा : ताल –तिनताल , मात्रा – १६

x दीगन	नगन	तिगन	नगन
2 तकधि	तनक	धिनध	डाऽन
0 किटक	ताऽन	धगन	तकिट
3 धात्रक	धिकिट	कताग	दीगन
x ता			

(४) परन –ताल –तिनताल , मात्रा – १६

x धिकि	टधि	किट	नग
2 तिट	कता	गदि	गिन
0 नग	धेत	धेत	धेत
3 कति	टता	ऽन	धेत
x तग	ऽन्न	धेधे	धाधा
2 दींदीं	नाना	कता	कता
0 धिट	किडधा	तिट	धग
3 धग	नग	तिरकिट	तकता
x ऽन	धेतऽ	तग	ऽन्न
2 धेतऽ	ताधे	ऽता	धाकिट
0 तकधे	ऽता	धेतऽ	ताधा
3 किटतक	धेतऽ	ताधे	ऽता
x ता			

(3) Kathak Nritya Parampara – Dr. Prem Dave, Page no : 171

(4) Kathak Nritya Parampara – Dr. Prem Dave, Page no :196

(५) रास परन –ताल –एकताल , मात्रा – १२

x शीऽशमु	0 कुतबंऽ	/	2 शीऽमुख	0 राऽजेऽ
3 चपलन	4 यनकुंऽ	/	x ऽलझल	0 केऽऽऽ
2 मोऽरमु	0 कुटपीऽ	/	3 तांबर	4 सोऽहेऽ
x मन्दम	0 ऽन्दमधु	/	2 रिऽमुस	0 केऽमधो
३ १माधो	4 २माधो	/	x ३माधो	0 ४माधो
2 ५माधो	0 ६माधो	/	3 ७माधो	4 ८माधो
x ता				

(5) Kathak Nritya Parampara – Dr. Prem Dave, Page no : 209

(6) PANDIT CHIRANJEELAL

(१) फरमाईशी चक्कदार परन: ताल –तिनताल, मात्रा – १६

x धागेतिट	धागेतिट	तागेतिट	तागेतिट
2 किऽधातिट	तागेतिट	गदिगन	नागेतिट
0 धाऽऽता	ऽनधाऽ	किटधाऽ	नधाऽन
3 धाऽऽऽ	ऽऽऽऽ	धागेतिट	घागेतिट
x तागेतिट	तागेतिट	किटधातिट	तागेतिट
2 गदिगन	नागेतिट	किटधाटित	तागेतिट
0 गदिगीन	नागेतिट	धाऽऽता	ऽनधाऽ
3 किटधाऽ	नधाऽन	धाऽऽता	ऽनधाऽ
x किटधाऽ	नधाऽन	धाऽऽऽ	ऽऽऽऽ
2 धागेतिट	धागेतिट	तागेतिट	तागेतिट
0 किडधातिट	तागेतिट	गदिगिन	नागेतिट
3 किडधातिट	तागेतिट	गदिगिन	नागेतिट
x किडधातिट	तागेतिट	गदिगिन	नागेतिट
2 धाऽऽता	ऽनधाऽ	किटधाऽ	नधाऽन
0 धाऽऽता	ऽनधाऽ	किटधाऽ	नधाऽन
3 धाऽऽता	ऽनधाऽ	किटधाऽ	नधाऽन
x धा			

(1) Kathak Gyaneshwari – Pandit Tirth Ram Azad, Page no : 29

(२) **आमद : ताल –रूपक, मात्रा – ७**

$_{x}$ततत	थईऽऽ	तिगधादिगदिग
$_{1}$थईऽऽ	ततत	
$_{2}$तिगधातत	ततऽतथ	
$_{x}$ईततऽत	थईऽऽ	ततऽतथ
$_{1}$ईततऽत	थईऽऽ	
$_{2}$ततऽतथ	ईततऽत	
$_{x}$ता		

(३) **नौ धा: ताल –बसंत, मात्रा – ३**

$_{x}$क्रधान	क्रधनन	
$_{2}$धाकिटतकधुम	किटतकधाति	
$_{0}$धाऽधुम	किटतकधाति	
$_{3}$धाधुमकिटतक	धातिधाधुम	किटतकधाति
$_{x}$धाधुमकिटतक	धातिधाधुम	
$_{2}$किटतकधाति	धाधुमकिटतक	
$_{0}$धातिधाधुम	किटतकधाति	
$_{3}$धाधुमकिटतक	धातिधाधुम	किटतकधाति
$_{x}$धा		

(2) Kathak Nritya Parampara – Dr. Prem Dave, Page no : 166

(3) Kathak Ke Pracheen Nrityang – Dr. Geeta Raghuvir, Page no : 134

(४) चौपल्ली: ताल –३द्र – मात्रा – ११

x धाति	टधा	तिट
2 धाधा	तिट	
0 धाधा	तिट	घागे
3 दिगिन	नन	गिन
x धागे	दिगि	नन
2 गिन	धिट	
0 धा	धातिटधा	तिटधाधा
3 तिटधाधा	तिटधागे	दिगिनन
x गिनधागे	दिगिनन	गिनधिट
2 धाऽऽऽ	धातिटधातिटधाधा	
0 तिटधाधातिटधागे	दिगिननगिनधागे	दिगिननगिनधिट
3 धा दिगिननननगिन	धातिटधातिटधाधातिट	दिगिननगिनधागे
	धाधातिट धागे	धिट
x धा		

(4) Kathak Ke Pracheen Nritang – Dr. Geeta Raghuvir, Page no : 187

(५) दो धा, चार धा, छः धा : ताल – धमार, मात्रा – १४

xतकिट	तकिट	धूमिक	तिटक	धूमिक
2टितक	धा			
0धिरधिरकिटतक	धिरधिरकिटतक	तिरतिरकिटतक		
3तिरतिरकिटतक	धिरधिरकिटतक	धिरधिरकिटतक	तिरतिरकिटतक	
xतिरतिरकिटतक	धा	धा	तकिट	तकिट
2धूमकि	टितिक			
0धुमकि	टितक	धा		
3धिरधिरकिटतक	धिरधिरकिटतक	तिरतिरकिटतक	तिरतिरकिटतक	
xधिरधिरकिटतक	धिरधिरकिटतक	तिरतिरकिटतक	तिरतिरकिटतक	
2धा	धा			
0धा	तकिट	तकिट		
3धुमकि	टितक	धूमकि	टितक	
xधा	धिरधिरकिटतक	तिरतिरकिटतक	तिरतिरकिटतक	
2धिरधिरकिटतक	धिरधिरकिटतक			
0तिरतिरकिटतक	तिरतिरकिटतक	धा		
xधा	धा	धा	धा	
xधा				

(5) Kathak Ke Pracheen Nrityang – Dr. Geeta Raghuvir, Page no : 247, 248

(7) PANDIT KUNDANLAL GANGANI

(१) परमेलु : ताल –तिनताल, मात्रा – १६

x तकत दि	गततक	दिगतक	तरांऽग
2 ताऽथुंऽ	गाऽताऽ	थुंगाऽऽ	थरिकिन
0 थुंऽगाऽ	थरिकिन	थुंऽगाऽ	थरिक थ
3 रिक थरी	किण थरी	कुकुथरी	थईऽऽऽ
x ताऽऽऽ	ततथईऽ	तथईत	थईऽऽऽ
2 ततथईऽ	तथईत	थईऽऽऽ	ततथईऽ
0 तथईत	थईऽऽऽ	ताऽऽऽ	तकत दि
3 गत तक	दिगतक	तरांऽग	ताऽथुँऽ
x गाऽताऽ	थूंऽगाऽ	थरिकिन	थुंऽगाऽ
2 थरिकिन	थुंऽगाऽ	थरिक थ	रिकथरी
0 किणथरी	कुकुथरी	थईऽऽऽ	ताऽऽऽ
3 ततथईत	तथईत	थईऽऽऽ	ततथईऽ
x तथईत	थईऽऽऽ	ततथईऽ	तथईत
2 थईऽऽऽ	ताऽऽऽ	तकत दि	गततक
0 दिगतक	तरांऽग	ताऽथुँऽ	गाऽताऽ
3 थुंऽगाऽ	थरिकिन	थुंऽगाऽ	थरिकिन
x थुंऽगाऽ	थरिक थ	रिकथरी	किणथरी
0 कुकुथरी	थईऽऽऽ	ताऽऽऽ	ततथईऽ
2 तथईत	थईऽऽऽ	ततथईऽ	तथईत
3 थईऽऽऽ	ततथईऽ	तथईत	थईऽऽऽ
x ता			

(1) Kathak Gyaneshwari – Pandit Tirth Ram Azad, Page no : 35

(२) **आमद – ताल –अष्टमंगल, मात्रा – २२**

x धातिट धा	तिटधाधा	तिटकऽधा	तिटधागे
2 दगिन न	गिनधेतऽ		
0 धेतऽतग	ऽनधाऽ	तिटकतागदिगिन	धाऽतिटकतागदि
3 गिनधाऽतिटकता	गदिगिनधाऽऽऽ		
4 ताऽथईततथई	आऽथईततथई	थईतथईतथई	थईथईतत
5 ताऽऽतऽततताऽ	तऽततताऽतऽत		
0 तऽततताऽतऽत	ताऽऽतऽतता		
6 तऽततताऽतऽत	ताऽऽतऽततताऽ	तऽततताऽतऽत	
x ता			

(३) **आमद – ताल –सवारी, मात्रा – १५**

x धातिट धा	तिटधाधा	तिटकिडधातिट	
2 धेताकता	धिकिटधा	दिनता किडधादिनता	ऽऽतथई
0 ऽऽततथई	ऽऽथईता	थईऽतऽतथईऽऽ	ततथईतऽत
3 थईऽऽततथई	तऽतथईतऽत	थईऽतऽतथई	तऽतथईतऽत
x ता			

(2) Kathak Gyaneshwari – Pandit Tirth Ram Azad, Page no : 3

(3) Kathak Nritya Parampara - Dr. Prem Dave, Page no : 165

(४) तोडा – ताल –एकताल, मात्रा – १२

x तिगधातिग	धातिगधा
0 ऽतिगधा	ताथईथईतत्
2 आथईथईतत	तततत
0 थईऽऽ	तततत
3 थईतत	ततथई
4 तततत	थईऽऽ
x ऽत	अत
0 थई	ऽत
2 अत	थईऽऽ
0 ऽत	अत
3 थईऽ	तततत
4 थई	ततथई
x तततत	थईऽऽ
0 ऽत	अत
2 थईऽ	ऽत
0 अत	थई
3 ऽत	अत
4 थई	तततत
x थईतत	ततथई
0 तततत	थईऽऽ
2 ऽत	अत
0 थई	ऽत

3अत	थईऽ
4ऽत	अत
xता	

(५) शिव कवित - ताल –तिनताल, मात्रा – १६

xचन्द्रत	पनपर	आरती	शिवकी
2झिझिकत	हुलहुल	गंग ख	लगकत
0नाचत	शंकर	घडन्न	किडतकधा
3किडतकथुनथुन	धाऽकिडतक	थुनथुनधाऽ	किडतकथुनथुन
xधाऽऽऽ	धाता	धाऽऽऽ	किडतकथुनथन
2धाऽकिडतक	थुनथुनधाऽ	किडतकथुनथुन	धाऽऽऽ
0धाता	धाऽऽऽ	किडतकथुनथुन	धाऽकिंडतक
3थुनथुनधाऽ	किडतकथुनथुन	धाऽऽऽ	धाता
xधा			

(4) Kathak Nritya Parampara – Dr. Prem Dave, Page no : 177, 178

(5) Kathak Nritya Parampara – Dr. Prem Dave, Page no : 232

(8) PANDIT MOHANLAL

(१) सादी दुपल्ली – ताल –सवारी, मात्रा – १५

x धाति	टधि	टधि	
2 टधा	ताति	टति	टति
0 टता	धाति	टधा	ऽधातिट
3 धिटधिट	धाताटिट	तिटतिट	ताधातिट
x धा			

(२) एक धा, दो धा, तीन धा : ताल –सवारी, मात्रा – १५

x धिरकिट धेत	धिरकिट धेत	धातिरकिटतक	
2 धातिरकिटतक	तातिरीकटतक	तिरकिटतक	ताऽऽऽ
0 धाऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ	धिरकिटधेत
3 धिरकिटधेत	धातिरकिटतक	धातिरकिटतक	
तातिरकिटतक			
x तातिरकिटतक	ताऽऽऽ	धाऽऽऽ	
2 धाऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ	धिरकिटधेत
0 धिरकिटधेत	धातिरकिटतक	धातिरकिटतक	
तातिरकिटतक			
3 तातिरकिटतक	ताऽऽऽ	धाऽऽऽ	धाऽऽऽ
x धा			

(1) Kathak Ke Pracheen Nritang – Dr. Geeta Raghuvir, Page no : 265

(2) Kathak Ke Pracheen Nrityang : Dr. Geeta Raghuvir, Page no : 268,269

(३) त्रिपल्ली : ताल–तिनताल, मात्रा–१६

x धाऽऽऽ	ऽऽऽऽ	तिऽऽऽ	रऽऽऽ
2 किऽऽऽ	टऽऽऽ	धाऽऽऽ	ऽऽऽऽ
0 तिऽऽऽ	रऽऽऽ	किऽऽऽ	टऽऽऽ
3 ताऽऽऽ	ऽऽऽऽ	तिऽऽऽ	रऽऽऽ
x किऽऽऽ	टऽऽऽ	ताऽऽऽ	ऽऽऽऽ
2 तिऽऽऽ	रऽऽऽ	किऽऽऽ	टऽऽऽ
0 धिंऽऽऽ	ऽऽऽऽ	तिऽऽऽ	रऽऽऽ
3 किऽऽऽ	टऽऽऽ	धिंऽऽऽ	ऽऽऽऽ
x तिऽऽऽ	रऽऽऽ	किऽऽऽ	टऽऽऽ
2 तऽऽऽ	गऽऽऽ	तिऽऽऽ	रऽऽऽ
0 किऽऽऽ	टऽऽऽ	तऽऽऽ	गऽऽऽ
3 तिऽऽऽ	रऽऽऽ	किऽऽऽ	टऽऽऽ
x दिऽऽऽ	नऽऽऽ	ताऽऽऽ	ऽऽऽऽ
2 कऽऽऽ	तऽऽऽ	दिऽऽऽ	नऽऽऽ
0 ताऽऽऽ	ऽऽऽऽ	कऽऽऽ	तऽऽऽ
3 धाऽऽऽ	धाऽऽऽ	तिर	किट
x धाऽऽ	तिर	किट	ताऽऽ
2 निर	किट	ताऽ	तिर
0 किट	धिंऽ	तिर	किट
3 धिंऽ	तिर	किट	तग
x तिर	किट	तग	तिर

$_{2}$किट	दिन	ताऽ	कत
$_{0}$दिन	ताऽ	कत	धाऽ
$_{3}$धाऽति	रकिट	धाऽति	रकिट
$_{x}$ताऽति	रकिट	ताऽति	रकिट
$_{2}$धिंऽति	रकिट	धिंऽति	रकिट
$_{0}$तगति	रकिट	तगति	रकिट
$_{3}$दिनता	ऽकत	दिनता	ऽकत
$_{x}$धा			

(3) Kathak Ke Pracheen Nrityang – Dr. Geeta Raghuvir, Page no : 297, 298

(9) PANDIT GAURISHANKAR

(१) सत्ताइस धा : ताल – एकताल, मात्रा – १२

$_{x}$धागेतिट	तागेतिट
$_{0}$तागेतिट	तागेतिट
$_{2}$गदिगिन	धागदि
$_{0}$गिनधा	गदिगिन
$_{3}$धाऽऽऽ	गदिगिन
$_{4}$धागदि	गिनधा
$_{x}$गदिगिन	धाऽऽऽ
$_{0}$गिदिगिन	धागदि
$_{2}$गिनधा	गदिगिन
$_{0}$धाऽऽऽ	ऽऽऽऽ
$_{3}$ऽऽऽऽ	धागेतिट
$_{4}$तागेतिट	तागेतिट
$_{x}$तागेतिट	गदिगिन
$_{0}$धागदि	गिनधा
$_{2}$गदिगिन	धाऽऽऽ
$_{0}$गदिगिन	धागदि
$_{3}$गिनधा	गदिगिन
$_{4}$धाऽऽऽ	गदिगिन
$_{x}$धागदि	गिनघा
$_{0}$गदिगिन	धाऽऽऽ
$_{2}$ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ

$_{0}$धागेतिट	तागेतिट
$_{3}$तागेतिट	तागेतिट
$_{4}$गदिगिन	धागदि
$_{x}$गिनधा	गदिगिन
$_{0}$धाऽऽऽ	गदिगिन
$_{2}$धागदि	गिनधा
$_{0}$गदिगिन	धाऽऽऽ
$_{3}$गदिगिन	धागदि
$_{4}$गिनघा	गदिगिन
$_{x}$धा	

(1) Kathak Ke Pracheen Nrityang – Dr. Geeta Raghuvir, Page no : 199, 200

(२) परन : ताल – तिनताल, मात्रा – १६

x धागेतिट	धागेतिट	घेघेतिट	घेघेतिट
2 धगनधि	किटतक	धिन्नडा	ऽन
0 धातिरकिटतक	तातिरकिटतक	तिरकिटतक	तिरकिटता
3 धातिरकिटतक	तातिरकिटतक	तिरकिटतक	तिरकिटता
4 धातिरकिटतक	तातिकिटतक	तिरकिटतक	तिरकिटता
2 धाऽऽऽ	ऽऽऽऽ	धागेतिट	धागेतिट
0 घेघेतिट	घेघेतिट	धगनधि	किटतक
3 धिन्नडा	ऽन	धातिरकिटतक	तातिरकिटतक
x तिरकिटतक	तिरकिटता	धातिरकिटतक	तातिरकिटतक
0 तिरकिटतक	तिरकिटता	धाऽऽऽ	ऽऽऽऽ
3 धागेतिट	धागेतिट	घेघेतिट	घेघेतिट
x धगनधि	किटतक	धिन्नडा	ऽन
2 धातिरकिटतक	तातिरकिटतक	तिरकिटतक	तिरकिटता
0 धातिरकिटतक	तातिरकिटतक	तिरकिटतक	तिरकिटता
3 धातिरकिटतक	तातिरकिटतक	तिरकिटतक	तिरकिटता
x धा			

(2) Kathak Nritya Parampara – Dr. Prem Dave, Page no : 199, 200

(10) NAYAK NATTHULAL

(१) रचना : राग – बसन्त बहार, ताल – चौताल

आज आज आज आज

खेलत ब्रज नारी सारी

ऋतु बसंत आई प्यारी

बीच में भ्रखभान दुलारी

अपने घर निकसी सारी

कगवा खेलन आई नारी

बीच में मुरली धुन प्यारी

"नत्थु लाल" जावे बलिहारी

(1) Kathak Nritya Parampara – Dr. Prem Dave, Page no : 243, 244